नुक्कड़ नाटक से बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ के लिए जागरूकता

उज्जैन। लोकमान्य तिलक विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर ग्राम मंगरोला में लगाया गया है। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्मृति जैन ने बताया कि विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक एवं रैली द्वारा विभिन्न विषयों जैसे नशा मुक्ति, स्वच्छता, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर ग्राम वासियों को जागरूक किया। रक्तदान शिविर भी लगाया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्य के जिला संगठक डॉ. प्रदीप लाखरे ने विद्यार्थियों को निरंतर राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े रहने एवं विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शेखर मेंदमवार ने स्वयंसेवकों से शिविर के अनुभव पूछे। आकाश सूर्यवंशी ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. स्मृति जैन ने शिविर के दौरान विद्यार्थियों के द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की एवं अतिथियों से आभार प्रदर्शन किया। लोकमान्य तिलक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेष त्रिपाठी ने स्वयंसेवकों से शिविर के अनुभव साझा किए। विद्यार्थियों ने समूह गीत वृक्ष हमें देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखे प्रस्तुत किया।

जैन सोशल ग्रुप संस्कार शाला निर्माण का पोस्टर विमोचित

नागदा। जैन सोश्यल ग्रुप रतलाम ग्रेटर द्वारा रतलाम में आयोजित रीजन स्तरीय दिशा कार्यशाला में जैन सोश्यल ग्रुप नागदा ने आगामी 12 अप्रैल को होने वाले संस्कार निर्माण शाला कार्यक्रम के पोस्टर का भव्य विमोचन जैन सोश्यल ग्रुप अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन अध्यक्ष बिरेन भाई शाह के करकमलों द्वारा किया गया।

ग्रुप के अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम ने बताया कि लगभग 500 से अधिक जैन सोश्यल ग्रुप सदस्यों की उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन के महा सचिव मनीष शाह, मध्यप्रदेश रीजन प्रेसिडेंट राहुल चपडोद, मध्यप्रदेश रीजन इलेक्ट वन प्रेसिडेंट प्रेमेन्द्र चौरड़िया, सचिव अश्विन मेहता, उपाध्यक्ष शरद जैन, ललित कांठेड़, इंटरनेशनल आई डी जयंतीलाल फाफरिया, जोन कोर्डिनेटर डॉ. अनिल चौपड़ा आदि महानुभावों ने इस विमोचन को भव्यता प्रदान की।

सम्पूर्ण जैन समाज के लिए मध्यप्रदेश रीजन में पहली बार यह शाला आयोजित की जा रही है। सृजक कैरियर कंसल्टेंसी इंदौर की निदेशक विभा गांधी संस्कार शाला में बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान करेगी। चल समारोह, प्रश्नोत्तरी एवं संस्कार प्रदर्शनी के माध्यम से संस्कार शाला को सार्थक एवं उद्देश्य परक बनाया जाएगा।

सहभागिता करने वाले प्रत्येक बच्चे को उपहार प्रदान किया जाएगा। इस संस्कार शाला में नागदा के साथ साथ रतलाम, उज्जैन, जावरा, मंदसौर, नीमच, महिदपुर, खाचरोद, भोपाल आदि अनेक जगहों से लगभग 250 बच्चों की सहभागिता करने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इस अवसर पर साहित्यिक कन्वीनर दिलीप कांठेड़, अवार्ड कमेटी कन्वीनर मनीष चपलोत, उपाध्यक्ष अमित बम, रवि संघवी, इलेक्ट वन हितेष कांठेड़, निलेश सोलंकी आदि अनेक ग्रुप सदस्य उपस्थित थे।

संस्कार शाला के सफल आयोजन के लिए वर्धमान स्थानकवासी श्रावक संघ अध्यक्ष प्रकाश जैन सांवेर वाले, मूर्ति पूजक श्री संघ अध्यक्ष मनीष व्होरा, दिगम्बर समाज अध्यक्ष सुनील जैन, पंकज पावेचा सहित अनेक सदस्यों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

एक नजर में

त्योहारों के मद्देनजर शांति समिति की बैठक

घट्टिया। त्योहार हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं इन्हें शांति, सौहार्द व भाईचारे की भावना के साथ मनाया चाहिए यही हमारी परंपरा है। उक्त उद्गार नायब तहसीलदार महिदपुर राजेश चौहान ने रविवार सायं पंचायत भवन जगोटी में आयोजित शांति समिति की बैठक में व्यक्त किए। टी आई राघवी वीरेंद्र सिंह बंदेवार ने जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों से अवगत कराते हुए कहा हम सभी को जिम्मेदारी से पर्व मनाते हुए किसी की भावना को आहत नहीं करना चाहिए। इस अवसर पर सरपंच राहुल मुकाती, जनपद सदस्य जगदीश पंवार, पत्रकार मोहनलाल हेड़ा, अनंत शर्मा, दिनेश वर्मा, रजनीश तिवारी, मुन्ने खां पठान, आरिफ तंवर, मुकेश शर्मा, पं. संजय शर्मा, जगदीश यादव, सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

स्नेह के विशेष बच्चों ने हर्षोल्लास से मनाया होली पर्व

नागदा। लायन्स ऑफ़ नागदा की स्थाई परियोजना एवं बौद्धिक दिव्यांगों के पुनर्वास हेतु कार्यरत संस्था स्नेह के विशेष बच्चों ने होली के त्यौहार को हर्षोल्लास के साथ मनाया। स्नेह के संस्थापक डॉ. पंकज मारू ने बताया कि वर्तमान समय में नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों को प्रायोगिक रूप से शिक्षा प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम में कई नए बदलाव किये गए हैं। जिससे कि आने वाली पीढ़ी भारतीय संस्कृति के साथ साथ भारतीय पर्वों को मनाए जाने का महत्व भी समझ सके। स्नेह के विशेष शिक्षकों ने बच्चों को रंग गुलाल लगाया और उनके साथ होली के गीतों पर थिरके। कार्यक्रम के पश्चात् बच्चों के साथ सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाते हुए एक दुसरे को बधाईया प्रेषित की। इस अवसर पर संस्था के उपनिदेशक महेशचन्द्र राठौड, परियोजना अधिकारी विप्लव चौहान, डॉ. विजेंद्र सिंह डोडिया, डॉ. कविता सोनी, डॉ. अर्चना सिंह, चेतना सक्सेना, सुनील कुमार गोतम, जीवेन्द्र प्रसाद बिसेन, सविता उपाध्याय, गौरव नागर, लोकेश चौहान, पिंकी मरमट, प्रमोद धर दुबे, पप्पू पानोला, सोनू सेन, शिवानी चौहान, निर्मला डेनिस, दिनेश दस्लानिया, आशा नामदेव, मुन्नी बाई सहित अनेक स्टाफ एवं अभिभावक उपस्थित थे।

रंग-संगीत का कार्यक्रम होली स्थान कल

इंदौर. रंगों का त्योहार होली इस साल इंदौर में और भी खास और भव्य होने जा रहा है. शहर का सबसे बड़ा और चर्चित होली इवेंट होलीस्थान 4.0 इस बार लाभ गंगा गार्डन, इंदौर में 4 मार्च को भव्य स्तर पर आयोजित किया जाएगा. इस इवेंट में युवाओं, परिवारों और बच्चों के लिए रंग, संगीत, मस्ती और स्वादिष्ट खाने का शानदार संगम देखने को मिलेगा. होलीस्थान 4.0 को इंदौर का सबसे बड़ा और प्रसिद्ध होली सेलिब्रेशन माना जा रहा है, जहां हर साल हजारों लोग शामिल होते हैं. इस बार इवेंट का मुख्य आकर्षण रहेगा दो इंटरनेशनल डीजे का लाइव परफॉर्मेंस. इवेंट के आयोजक सुकरत राय ने बताया होलीस्थान 4.0 सिर्फ एक होली पार्टी नहीं, बल्कि इंदौर के लिए एक इंटरनेशनल लेवल का फेस्टिवल है. हमारा उद्देश्य है कि लोग सुरक्षित, फैमिली फ्रेंडली और प्रीमियम तरीके से होली का आनंद लें. दो इंटरनेशनल डीजे के साथ हम इंदौर को एक ग्लोबल होली डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना चाहते हैं. आयोजकों के अनुसार, होलीस्थान 4.0 में सभी उम्र के लोगों के लिए खास इंतजाम किए गए हैं.

धर्मगुरुओं के सम्मान से गूंजा सौहार्द का संदेश

इंदौर. पवित्र रमजान माह में शहर ने एक बार फिर गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल पेश की। प्रिंस यशवंत रोड स्थित सर्वधर्म संघ कार्यालय में मस्जिदों के इमाम, हाफिज साहेबान और समाजसेवा में समर्पित नागरिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। चंदन की मोतियों की माला, साफा एवं धार्मिक प्रतीक चिन्ह भेंट कर धर्मगुरुओं का इस्तकबाल किया गया। कार्यक्रम में हिंदू और मुस्लिम समाज के प्रमुख धर्माचार्यों की उपस्थिति ने सौहार्द के इस आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। मुख्य अतिथि शहर काजी डॉ। इशरत अली ने कहा कि रमजान का महीना पूरी इंसानियत के लिए रहमत और बरकत का पैगाम लेकर आता है। यह महीना संयम, करुणा और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। राष्ट्रीय संत अरुणानंद महाराज, नरसिंह टेकरी के स्वामी वर्धानंद महाराज सहित अन्य धर्म प्रमुखों ने भी उपस्थित रहकर सद्भाव का संदेश दिया। सर्वधर्म संघ के अध्यक्ष मंजूर बेग ने कहा कि मस्जिदों में प्रतिदिन पांच वक्त नमाज अदा कराने वाले पेश इमाम, तरावीह में बिना देखे पूरा कुरआन सुनाने वाले हाफिज और अजान देने वाले मोअज्जिन समाज को आध्यात्मिक दिशा देते हैं। ऐसे धर्मगुरुओं का सम्मान करना समाज के आत्मसम्मान को बढ़ाना है। इस अवसर पर हाफिज मो। नदीम रजवी, हाफिज फजल अहमद रजवी, हाफिज जमीर मोहम्मद, अंजार आलम, अब्दुल रहमान, मौलाना मोइनुद्दीन हसन, सहित अनेक धर्मगुरुओं को तोहफे एवं नगद नजराना भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रियाज खान, अकबर काजी, धर्मेंद्र पैमाल, एजाज कुरैशी, इरशाद शाहगोलू शेख, सरफराज खान, फेजान बेग, समीर बेग, हकीम बाबा, मुकेश बजाज, जुनैद खान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महाकाल की नगरी में 10 वर्ष बाद पंच परमेश्वर का आगमन, पेशवाई

उज्जैन। होली के पावन पर्व पर शिप्रा नदी के तट पर स्थित श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़े में साधु-संतों का भव्य आगमन हुआ। धर्म प्रचार के लिए संतों का यह नगर प्रवेश करीब 10 साल बाद पेशवाई की तर्ज पर हुआ है। 200 साल से निरंतर चली आ रही इस परंपरा के तहत संतों के उज्जैन आगमन पर शहरवासियों ने जगह-जगह मंच लगाकर ढोल-धमाके की धुन के साथ उनका आत्मीय स्वागत किया।

सिंहस्थ 2028 को लेकर बनी रूपरेखा और 4 मार्च को मनेगी होली: महाकाल की नगरी में वर्ष 2028 में होने वाले आगामी सिंहस्थ मेले को भव्य रूप देने के लिए देशभर से आए इन साधु-संतों द्वारा विशेष रूपरेखा और योजनाएं भी बनाई गई। संतों ने होली का रंग संतों के संग कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन की सराहना की। इसके साथ ही आगामी 4 मार्च को होली उत्सव के तहत श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़ा में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक भव्य रूप से साधु-संत व महंत होली मनाएंगे।

> **यह संत हुए शामिल**
>
> इस आयोजन में देश भर से भारी संख्या में संत उज्जैन पहुंचे हैं। नगर प्रवेश करने वालों में मुख्य रूप से श्री संत परमेश्वर श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन भ्रमणशील मंडल के श्री महंत दुर्गादास, महंत अद्वैतानंद, महंत राम नौमी दास, सचिव हंस मुनि, महंत कोठारी सत्यानंद, मुकामी राम मुनि, मुकामी देवी दास एवं निर्वाण संत शामिल रहे.

श्री शत्रुंजय आदिनाथ तीर्थधाम में भाव यात्रा

पद प्रक्षालन और साधर्मिक भक्तिपाल का आयोजन

महिदपुर। नगर में प्रवचन प्रभावक आचार्य सागरचन्द्रसागर सूरीश्वरजी की प्रेरणा मार्गदर्शन से निर्मित श्री शत्रुंजय आदिनाथ तीर्थधाम (किला जैन मंदिर) में फाल्गुनी तेरस के शुभ अवसर पर 1 मार्च को श्री सिद्धाचल तीर्थ की भाव यात्रा, पद प्रक्षालन एवं साधर्मिक भक्ति पाल का सुन्दर आयोजन संपन्न हुआ।

फाल्गुन तेरस की भव्य भाव यात्रा में बताया गया कि श्री सिद्धाचल तीर्थ की फाल्गुनी यात्रा 84 हजार वर्षों से चल रही है। साधर्मिक भक्ति का लाभ लिया गया। जिसमें गन्ने की रस की पाल चंद्रकांत चम्पालाल नासकावाला परिवार मिठाई की पाल, सुभाषचंद सुरेश नागूलाल कोचर काजू शेक की पाल मानमल, चंद्रप्रकाश, वैभव मंडलेचा सोनी ने लिया गया। सर्व प्रथम बार सभी तीर्थ यात्रियों के पद प्रक्षालन का लाभ रखबचंद सुमन रुणवाल परिवार के द्वारा लिया गया। इस पुण्य अवसर पर झारड़ा, महिदपुर रोड, उन्हेल, बड़ौद सहित अनेक स्थानों से श्रद्धालु पधारे। साथ ही विधायक दिनेश जैन, बहादुर सिंह चौहान, धर्मचंद जैन सहित अनेक विशिष्ठ अतिथियों ने भी पधारकर जिन शासन की शोभा में अभिवृद्धि की। सम्पूर्ण आयोजन में व्यवस्था एवं सहयोग के लिए पुलिस एवं नगरीय प्रशासन का भी आभार व्यक्त किया।

बूंद में समंदर होती है अस्तित्व, आत्मसम्मान अधिकार और अपनी जमीन : तिवारी

फिलिस्तीन में अपना वजूद बचाए रखना ही सबसे बड़ा प्रतिरोध-विनीत तिवारी

उज्जैन। अभिनव रंगमंडल की मासिक संवाद श्रृंखला के तहत रविवार 1 मार्च को ज़ैतून में समंदर विषय पर एक विशेष आयोजन किया गया। इसमें प्रसिद्ध कवि विनीत तिवारी ने फ़लस्तीन का अपना आंखों देखा सफ़रनामा साझा किया। इस गरिमामय आयोजन की अध्यक्षता संस्कृत-हिंदी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार और पूर्व कुलपति डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी ने की।

जैतून-चाबी हैं फिलिस्तीनी संघर्ष के प्रतीक

हाल ही में फ़लस्तीन यात्रा से लौटे विनीत तिवारी ने बताया कि वहां होना और अपना अस्तित्व बचाए रखना ही सबसे बड़ा प्रतिरोध है। उन्होंने दास्तानगोई शैली में फ़लस्तीनी जनता के दमन, दुख और बेदखली के साथ-साथ उनके परस्पर सहयोग, बंधुत्व और इंसानी जुझारूपन का मार्मिक वर्णन किया। तिवारी ने कहा कि ज़ैतून (ऑलिव) फ़लस्तीन की पहचान है, जो सालों तक एक बूंद पानी से भी ज़िंदा रह सकता है।

वहीं, चाबी बस्तियों से भगाए गए लोगों के अपने घर लौटने के स्वप्न का प्रमुख प्रतीक है। उन्होंने यहूदी और यहूदीवादी होने के बीच का अंतर स्पष्ट करते हुए इसे हिंदू और हिंदुत्ववादी होने के फ़र्क के समान बताया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में संचालक और कवि-कहानीकार शशिभूषण ने जगदीश चंद्र द्वारा अनुदित दो फ़लस्तीनी कवियों की कविताएं सुनाईं। संवाद के दौरान वरिष्ठ रंगकर्मी हफ़ीज़ ख़ान, साहित्यकार राजेश सक्सेना और हरिमोहन बुधौलिया ने विनीत तिवारी से सवाल किए। जवाब में तिवारी ने कहा कि एक एक्टिविस्ट का उद्देश्य तुरंत बदलाव लाना नहीं, बल्कि मानवता, न्याय और आत्मसम्मान के लिए संघर्ष जारी रखना होता है ताकि आने वाली पीढ़ियां अन्याय और लूट का शिकार न हों। उन्होंने कहा कि फ़लस्तीन के संघर्ष ने उन्हें डर पर विजय और स्थायी आत्मबल दिया है। अंत में अभिनव रंगमंडल के प्रमुख शरद शर्मा ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अशोक वाजपेयी के बाद इस दूसरे सफल आयोजन ने विश्वास दिलाया है कि यह संवाद यात्रा निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने इस संवाद को भविष्य में राष्ट्रीय नाट्योत्सव की तरह व्यापक रूप देने की बात कही। इस अवसर पर देवास और इंदौर के साहित्यकार-पत्रकार, महाराष्ट्र के शोधार्थी और उज्जैन के प्रमुख साहित्यकार, कलाकार व संस्कृतिप्रेमी उपस्थित रहे।

होली मिलन समारोह-गेर को लेकर बलाई समाज युवा संघ की बैठक

उज्जैन। बलाई समाज युवा संघ के तत्वावधान में होली मिलन समारोह और रंगपंचमी गेर के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। यह बैठक युवा संघ के अध्यक्ष विशाल राठौर के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें आगामी त्योहारों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई और भव्य रूपरेखा तैयार की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समाज के कई प्रमुख लोगों ने बैठक में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। बैठक में मुख्य रूप से समाजसेवी हजारीलाल मालवी, मुकेश मालवी, बीएल चौहान, राजकुमार पटेल, विजय परमार, गजेंद्र हिरवे, ललित परमार, लखन परमार, राजेंद्र राठौड़, महेश सोलंकी, कपिल सरोजा, मारुति मालवीय, दीपक पंवार, अजय सिसोदिया, सुभाष गहलोत, विकास सिसोदिया, महेश परमार और सोनू मालवीय उपस्थित रहे। इन सभी की उपस्थिति में आयोजनों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पवन सिरोंज ने सदस्यों का आभार माना।

विश्व ब्राह्मण समाज संघ महिला प्रकोष्ठ ने मनाया फाग उत्सव

उज्जैन। विश्व ब्राह्मण समाज संघ महिला प्रकोष्ठ उज्जैन द्वारा शिप्रा नदी के रामघाट तट पर फाग उत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला विंग की नगर अध्यक्ष समीक्षा नवीन व्यास के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन में मुख्य रूप से राष्ट्रीय संयोजिका सावित्री महंत उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सुकीर्ति व्यास, ममता मिश्रा, पूर्णिमा पांडे, समीक्षा व्यास, सोनाली जोशी, टीना जोशी, संध्या तेलंग, भावना शास्त्री, सुनीता शर्मा, निशा जोशी, सीमा शर्मा और माधुरी शर्मा सहित बड़ी संख्या में मातृशक्तियों की उपस्थिति रही।

टेपा सम्मेलन 1 अप्रैल

अभिनेता राकेश बेदी को मिलेगा राधा-लाला अमरनाथ स्मृति टेपा सम्मान

उज्जैन। आगामी 1 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय मूर्ख दिवस के अवसर पर मालवा की हास्य-व्यंग्य संस्कृति को समर्पित 54वां अखिल भारतीय टेपा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष राधा-लाला अमरनाथ स्मृति टेपा सम्मान फिल्म धुरंधर फेम प्रख्यात हास्य अभिनेता राकेश बेदी को प्रदान किया जाएगा। टेपा सम्मेलन के सचिव मनीष शर्मा ने बताया कि यह आयोजन समाजसेवी लाला अमरनाथ और टेपा के संस्थापक-अध्यक्ष शिव शर्मा की स्मृति को समर्पित है। इस वर्ष सम्मेलन में राकेश बेदी मुख्य आकर्षण होंगे। शर्मा ने बताया कि बेदी ने हाल ही में आई फिल्म धुरंधर में जमील जमाली नामक शक्तिशाली राजनेता का किरदार निभाया है, जिसने दर्शकों के बीच लोकप्रियता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

टेपा सम्मेलन आयोजन समिति की बैठक में राकेश बेदी को यह सम्मान देने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में ओम अमरनाथ, मनीष शर्मा, योगेश शर्मा, दिनेश दिग्गज, मुकेश जोशी, अशोक भाटी, आशीष शर्मा, कुलभूषण जुनेजा, दीपक शर्मा, शिवा खत्री, विशाल हाडा, अविनाश गुप्ता, राजू भार्गव, सुमेध सिंह शर्मा, सुरेन्द्र सर्किट, कुलदीप रंगीला और हरीशकुमार सिंह उपस्थित थे। सम्मेलन के दौरान प्रख्यात कवियों का कांव-कांव सम्मेलन, अतिथियों पर प्रशस्ति वाचन और चिलमी मुकदमों का आयोजन भी किया जाएगा।

नाड़ी परीक्षण शिविर का समापन

उज्जैन। क्षीरसागर गेट स्थित प्रकाश टॉकीज की गली के पास जायसवाल धर्मशाला में चल रहे निशुल्क नाड़ी परीक्षण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हो गया है। शिविर में आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के चमत्कारिक परिणाम सामने आए हैं, जहां कई गंभीर और असाध्य रोगों का इलाज किया गया। शिविर में इलाज कराने आए 70 वर्षीय मुन्नालाल कैथवास ने अपना अनुभव साझा किया। उज्जैन निवासी मुन्नालाल पिछले 20-25 सालों से संग्रहणी की समस्या से परेशान थे और अन्य डॉक्टरों पर लगभग 60 हजार रुपये खर्च कर चुके थे, फिर भी उन्हें कोई समाधान नहीं मिला था। उन्होंने बताया कि वैद्य संतोष आनंद जायसवाल ने उन्हें काली मिर्च के आकार की एक गोली दी और उसके छह टुकड़े करके खाने को कहा। मुन्नालाल के अनुसार, केवल दो टुकड़े खाने के बाद ही उनकी स्थिति 100 प्रतिशत सामान्य हो गई है। वैद्य संतोष आनंद जायसवाल ने बताया कि एलोपैथी में इस बीमारी को अमीबियासिस कहा जाता है, जिसमें व्यक्ति को सफेद आंव पड़ती है और वह दिन में कई बार शौच के लिए जाता है।

एक नजर | **युवा मंच सत्संग समिति उज्जैन हर माह देगी खाद्यान्न**

100 बुजुर्गों को किया गेहूं का वितरण

उज्जैन। युवा मंच सत्संग समिति, उज्जैन द्वारा नगर के 100 निराश्रित बुजुर्गों को प्रतिमाह 10-10 किलो गेहूं का वितरण किया जाता है। इसी कड़ी में 1 मार्च 2026 को वर्ष के तीसरे माह का गेहूं वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

समाजसेवी अजीत मंगलम ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में योगेश शर्मा, राजेंद्र सिंह गिल, संजय गाडगिल और ओम रामी उपस्थित थे। मंच के अध्यक्ष मनोहर परमार, उपाध्यक्ष फूलचंद जड़िया, राजेश श्रीवास, सचिव विजय तिवारी, पारस कुमार जैन, ओम हरोड़, धर्मेंद्र जैन, संतोष शर्मा, संजय शुक्ला, राजू लश्करी, सुरेश सोनगरा, संयोजक विट्ठल नगर और लीलाधर आरथीया ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच की विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस पुनीत कार्य में समाजसेवियों ने भी अपना योगदान दिया। नेहा अग्निहोत्री ने 2000 रुपये और कल्पना काटरे ने 1000 रुपये की नकद सहयोग राशि प्रदान की। वहीं, विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ राम प्रसाद शर्मा ने एक क्विंटल गेहूं दान स्वरूप दिया गया। कार्यक्रम के अंत में मंच के संस्थापक गोपाल बागरवाल ने सभी अतिथियों और दानदाताओं का आभार व्यक्त किया।